

[This Question Paper contains 3 printed pages.]

18/05/2016
E

Sl. No. of Q. Paper 3958

आपका अनुक्रमांक

एम.ए. (हिंदी)/सेम. IV-2016

(I) विकल्प : रंगमंच

Paper-4013 (प्रश्नपत्र-4013)

भारतीय भाषाओं का रंगमंच

(वर्ष 2013 से 2016 तक के पाठ्यक्रमानुसार)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. (क) जिस समय शब्दों का प्रचण्ड ज्वार उमड़ता हुआ आकर होठों से टकराने लगता है तो लगता है यह मेरे आसपास रहनेवाले आदमी कितने नामसमझ, पागल और बचकाने हैं। सभी! वह भी, जो नितांत अपना है। दिल करता है उन पर जी भर हँसती रहूँ। बस हँसती ही रहूँ।

अथवा

कृतघ्न! वीरता उन्माद नहीं है — आंधी नहीं है, जो उचित-अनुचित का विचार न करती हो केवल शस्त्रबल पर टिकी हुई वीरता बिना पैर की होती है। उसकी दृढ़ भित्ति है — न्याय।

(2)

(ख) अपने-आपसे जब-जब तुमने लड़ाई की है, तुम्हीं जीते हो। तुममें इतनी शक्ति है — तुम जीत सके। तुम टूटे नहीं, बिखरे नहीं, प्रवाह में बह नहीं गये। तुम हमेशा जीते। हार कैसी होती है, तुमने जाना ही नहीं।

अथवा

अवाम का भोलापन फितरती तौर पर शुबहा और वहम बावस्ता होता है मोहतरम! पिछले सुल्तानों ने अवाम को कुचले जाने वाले कीड़े और अहमक ही तस्लीम किया था। मैं इस रविश को बुनियादी तौर पर बदलना चाहता हूँ, हज़रत।

10, 10

2. 'स्कंदगुप्त' की रंगमंचीय संभावनाओं पर विचार कीजिए।

अथवा

'तुगलक' के रंग-विधान का विश्लेषण कीजिए।

12

3. 'पगला घोड़ा' की रंग-परिकल्पना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रंगमंचीय दृष्टि से 'पगला घोड़ा' की समीक्षा कीजिए।

12

4. 'खामोश! अदालत जारी है' के रंग-संकेतों की प्रतीकात्मकता का उद्घाटन कीजिए।

अथवा

'खामोश! अदालत जारी है' के संदर्भ में विजय तेंदुलकर की रंग-चेतना पर प्रकाश डालिए।

12

(3)

5. किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

- (क) 'तुगलक' की रंग-भाषा;
- (ख) 'पगला घोड़ा' में वर्णित प्रेम;
- (ग) 'खामोश! अदालत जारी है' की रंग-संवेदना;
- (घ) 'स्कंदगुप्त' के शीर्षक की सार्थकता।

7, 7